ज़रा सिर तो खुजलाइए

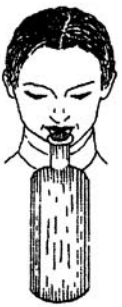

खाली शीशी या पेन के ढक्कन में मुंह से फूंक मारकर तो सीटी सभी ने बजाई होगी। इस बार की हमारी गुत्थी इसी विषय से जुड़ी है।

बस एक खाली शीशी को अपने पास रखिए। उसमें फूंक मारकर सीटी बजाइए और ध्वनि की पिच (Pitch) पर गौर कीजिए। अब इस शीशी में थोड़ा-सा पानी भरिए। फूंक मारकर सीटी बजाइए और निकलने वाली ध्वनि की पिच पर गौर कीजिए। अब थोड़ा और पानी भरिए और फिर से ध्वनि की पिच पर गौर कीजिए। बस आपको बताना है कि शीशी में पानी की ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ क्या पिच भी बढ़ती जाती है? और अगर ऐसा होता है तो क्यों?

सवालीराम. . .

सवालः हमारी नाक में विभिन्न प्रकार की गंध का अहसास किस प्रकार होता है?

प्रमोद यादव, बनर्जी कॉलोनी,
भगत सिंह वार्ड, पचमढ़ी रोड,
पिपरिया, मध्य प्रदेश

हो सकता है कि कभी आपने भी इन सवालों के बारे में सोचा हो। गुत्थी सुलझाने में हमारी मदद कीजिए। इन सवालों के किसी भी पहलू के बारे में आपके पास कोई जानकारी हो तो हमें लिख भेजिए। इस पते पर – संदर्भ, द्वारा, एकलव्य, कोठी बाज़ार, होशंगाबाद 461 001